तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा टेस्ट सीरिज-2025

Level-2 (SST)

Solution Minor Test-06

3rd Grade Test Series-2025 L-2 (SST) Minor - 06 [Revised-ANSWER KEY] HELD ON : 28/09/2025																				
Q.	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
Ans.	3	3	2	4	2	4	3	3	4	4	1	3	4	1	4	2	2	1	3	3
Q.	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
Ans.	4	3	4	*	4	2	3	4	1	3	2	3	4	2	2	4	3	3	3	2
Q.	**41**	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**	**51**	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
Ans.	4	1	3	3	4	4	3	2	3	2	2	4	3	4	2	2	3	3	1	1
Q.	**61**	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**	**71**	**72**	**73**	**74**	**75**	**76**	**77**	**78**	**79**	**80**
Ans.	3	3	1	2	2	2	3	3	4	4	2	3	2	4	2	1	1	3	3	4
Q.	**81**	**82**	**83**	**84**	**85**	**86**	**87**	**88**	**89**	**90**	**91**	**92**	**93**	**94**	**95**	**96**	**97**	**98**	**99**	**100**
Ans.	2	3	2	4	4	3	1	4	3	4	2	1	4	3	3	3	2	2	2	3
Q.	**101**	**102**	**103**	**104**	**105**	**106**	**107**	**108**	**109**	**110**	**111**	**112**	**113**	**114**	**115**	**116**	**117**	**118**	**119**	**120**
Ans.	4	3	1	1	2	3	1	4	2	3	2	2	4	3	2	4	3	4	1	2
Q.	**121**	**122**	**123**	**124**	**125**	**126**	**127**	**128**	**129**	**130**	**131**	**132**	**133**	**134**	**135**	**136**	**137**	**138**	**139**	**140**
Ans.	1	1	1	4	3	1	4	3	2	1	2	2	4	1	3	4	1	2	3	1
Q.	**141**	**142**	**143**	**144**	**145**	**146**	**147**	**148**	**149**	**150**										
Ans.	3	3	3	1	3	1	4	1	3	4										

1. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- हाड़ला तापीय विद्युत परियोजना-बीकानेर (125 मेगावाट)
- भदेसर तापीय विद्युत परियोजना- बाड़मेर (100 मेगावाट)
- नेवेली तापीय विद्युत परियोजना- बीकानेर (500 मेगावाट)
- कवई तापीय विद्युत परियोजना- बाराँ (1200 मेगावाट)
- काली सिन्ध थर्मल परियोजना- झालावाड़ (600 मेगावाट-प्रथम इकाई) द्वितीय इकाई- 600 मेगावाट प्रस्तावित।

2. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थान में सौर ऊर्जा की संभावित क्षमता 142 GW (1,42,000 MW).
- वर्तमान में राजस्थान सर्वाधिक सौर ऊर्जा का उत्पादन कर देश में **प्रथम स्थान** पर बना हुआ है।
- दिसम्बर, 2024 तक 22,676 MW की अधिष्ठापित क्षमता (रूफटॉफ व ऑफग्रिड संयंत्रों के अलावा) हो चुकी है।

3. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- **राजस्थान सरकार ने हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल** (HAM) के तहत् सरकारी भवनों को रूफटॉप सोलर (RTS) से स्थापित करने की घोषणा की। इस योजना के अन्तर्गत, **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड** (RRECL) को इसके कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।

4. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- राजस्थान में 18,770 MW प्रारम्भ में पवन ऊर्जा अनुमानित की गई थी, परन्तु 2019 की क्षमता पवन ऊर्जा नीति के अनुसार राजस्थान की 120 मीटर की ऊँचाई पर संभाव्यता 127 GW है।
- नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 150 मीटर की ऊँचाई पर 284 GW पवन ऊर्जा क्षमता की संभावना के साथ राजस्थान देश में शीर्ष स्थान पर है।
- पहली पवन ऊर्जा नीति-2012 में
- **ग्रीन एनर्जी कोरिडोर**- इसके अन्तर्गत गैर परम्परागत स्रोतों से उत्पादित ऊर्जा को परम्परागत ऊर्जा के ग्रिड से जोड़ा जा रहा है, यह कोरिडोर गुजरात के बनासकांठा से पंजाब के मोगा तक बनाया जा रहा है, जिससे राजस्थान के निम्न पाँच जिले (**चित्तौड़गढ़, अजमेर, नागौर, जोधपुर** एवं **बीकानेर**) शामिल हैं।
- राजस्थान की प्रथम 3 पवन ऊर्जा परियोजनाएँ क्रमशः- अमरसागर (जैसलमेर), देवगढ (प्रतापगढ) तथा बिठडी (फलौदी) है।

5. उत्तर (2)

व्याख्या:-

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024

- प्रारम्भ- 4 दिसम्बर 2024
- उद्देश्य- इस नीति का मुख्य उद्देश्य नवीनीकरण ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्य (2030 तक 500 मेगावाट) को प्राप्त करने में योगदान करना है।

नोट- इस नीति के तहत राजस्थान 2030 तक 125 गीगावाट नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन करेगा, जिसमें 90 गीगावाट सौर ऊर्जा से, 25 गीगावाट पवन ऊर्जा से एवं 10 गीगावाट हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन करेगा।

- इस नीति के तहत 2030 तक राजस्थान 2000 किलो टन प्रतिवर्ष (KTPA) हरित हाइड्रोजन का उत्पादन भी करेगा।

6. उत्तर (4)

व्याख्या:-

इन्दिरा गांधी नहर की शाखाओं पर स्थापित लघुपन विद्युत परियोजनाएँ-

- सूरतगढ़ शाखा (गंगानगर)
- अनूपगढ़ शाखा (गंगानगर)
- पूगल शाखा (बीकानेर)
- चारणवाला शाखा (बीकानेर)
- बीरसलपुर शाखा (बीकानेर)

7. उत्तर (3)

व्याख्या:-

अंता (बाराँ)- 420 मेगावाट

- अंता में गैस आधारित ताप विद्युत संयंत्र केन्द्र सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) द्वारा स्थापित किया गया है।

8. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- दिसम्बर, 2024 तक राजस्थान में ऊर्जा उत्पादन का अवरोही क्रम (घटता क्रम)- तापीय > सौर > पवन > जल विद्युत > गैस > परमाणु > बायोमास।

कलाम ACADEMY

9. उत्तर (4)

व्याख्या:-

सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन :- सूरतगढ़ (गंगानगर)

- यहाँ 250-250 MW की पहले 6 इकाईयाँ कार्यरत थी जिनकी कुल क्षमता 1500 MW थी।
- वर्तमान में यहाँ 660-660 MW की 2 नई इकाईयाँ शुरू की गई, जो क्रिटिकल इकाईयाँ है।
- अर्थात् अब इस संयत्र की कुल क्षमता 2820 MW हो गई है। अत: **यह सर्वाधिक क्षमता वाला ताप विद्युत संयंत्र है।**

10. उत्तर (4)

व्याख्या:-

राजस्थान में निर्माणाधीन सोलर पार्क -

- फलौदी-पोकरण सोलर पार्क (जोधपुर-जैसलमेर)
- फतेहगढ़ सोलर पार्क, जैसलमेर
- नोख सोलर पार्क, जैसलमेर
- पूगल सोलर पार्क, बीकानेर
- बोडाना सोलर पार्क, जैसलमेर

नोट: धुनिया सोलर पॉवर प्लान्ट जोधपुर में स्थित है।

11. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- राज्य में नहर पर बना पहला सोलर पावर प्लांट मैनावली (हनुमानगढ़) में स्थापित किया गया है जिसका शुभारम्भ 20 सितम्बर, 2017 को किया गया।

12. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- **नई सौर ऊर्जा नीति 2019** में घोषित की गई है, Global Commitment के अन्तर्गत भारत द्वारा 2022 तक गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों से 175 GW विद्युत उत्पादन का राष्ट्रीय लक्ष्य रखा गया है। जिसमें से सौर ऊर्जा हिस्सा 100 GW है। इस हेतु राजस्थान को 2024-25 तक 30 GW (30,000 MW) सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य इस नई नीति में दिया गया है।

13. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- राजस्थान सरकार ने **29 सितम्बर**, 2023 को '**बायोमास एण्ड वेस्ट टू ऐनर्जी नीति-2023**' जारी की है।

14. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना-** PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का विस्तार कर मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के लाभार्थी परिवारों की छत पर नि:शुल्क सौलर प्लान्ट्स लगवा कर 100 के स्थान पर 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

15. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- दिसम्बर, 2024 तक राजस्थान में कुल 128.45 MW के 14 बायोमास संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं।

16. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- राजस्थान में पहली रेल 1874 में **आगरा फोर्ट से बांदीकुई (दौसा)** के मध्य चलाई गई।
- राजस्थान में रेल बस सेवा मेड़ता रोड़ से मेड़ता सिटी के बीच शुरू की गई थी।
- **मार्च 2022 के अंत तक राजस्थान में 6046 किमी. की लम्बाई** में रेलमार्गों का विकास किया गया है जो भारत के रेलमार्गों की कुल लम्बाई का 8.89 प्रतिशत है।

17. उत्तर (2)

व्याख्या:-

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RREC)- 2002

नोट- RREC का गठन अगस्त, 2002 में REDA तथा RSPCL के विलय से हुआ।

18. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- राजस्थान का वर्तमान में पर्यटन का **नारा/स्लोगन- 'पधारो म्हारे देश'** है।

19. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राज्य के पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों **जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर एवं बीकानेर** के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु इन्हें मरु त्रिकोण के रूप में जापान की संस्था JBIC की वित्तीय सहायता से विकसित किया जा रहा है।

कलाम ACADEMY

20. उत्तर (3)

व्याख्याः-

- **जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बस सेवा** शुरू की जाएगी।

21. उत्तर (4)

व्याख्याः-

- **GSI द्वारा राजस्थान की 12 साइटों को जियो हेरिटेज साइट घोषित किया गया है-**

1. जावर, उदयपुर (2016 में घोषित)
2. रामगढ़ क्रेटर, बाराँ (2016 में घोषित)
3. ऑकलवुड फॉसिल पार्क (राष्ट्रीय मरु उद्यान), जैसलमेर
4. जोधपुर समूह-मालाणी आग्नेय चट्टानें, जोधपुर
5. वेल्डेड टफ, जोधपुर
6. स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, झामरकोटड़ा (उदयपुर)
7. स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, भोजुड़ा (चित्तौड़गढ़)
8. ग्रेट बाउण्डरी फॉल्ट, सातूर (बूँदी)
9. गोसाण राजपुरा दरीबा, राजसमंद
10. सेंदरा ग्रेनाइट, पाली
11. बार कांग्लोमेरेट, पाली
12. नेफेलाइन साइनाइड, किशनगढ़ (अजमेर)

22. उत्तर (3)

व्याख्याः-

राजस्थान स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल-

- नाकोड़ा के जैन मंदिर - बाड़मेर
- सोनी जी की नसिया (लाल मंदिर) - अजमेर
- चन्द्र महल (सिटी पैलेस) - जयपुर
- गरीब नवाज (ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती) की दरगाह - अजमेर
- हमीदुद्दीन नागौरी की दरगाह (तारकीन का उर्स) - नागौर
- नरहड़ की दरगाह (हजरत हाजिब शक्कर बादशाह) - झुंझुनूँ
- मीठेशाह की दरगाह - गागरोन (झालावाड़)
- गलियाकोट - डूँगरपुर
- जगदीश मंदिर - उदयपुर
- लालगढ़ - बीकानेर
- गणेश मंदिर - सवाईमाधोपुर

23. उत्तर (4)

व्याख्याः-

- जयपुर परकोटा/चार दीवारी वाला शहर (2019 में शामिल)।
- **राजस्थान के 9 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल-**
- **किले/दुर्ग-**
  - जैसलमेर दुर्ग (जैसलमेर)
  - चित्तौड़गढ़ दुर्ग (चित्तौड़गढ़)
  - आमेर दुर्ग (जयपुर)
  - रणथम्भौर दुर्ग (सवाईमाधोपुर)
  - कुम्भलगढ़ दुर्ग (राजसमंद)
  - गागरोन दुर्ग (झालावाड़)

नोट- उपरोक्त किले 2013 में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किये गये।

24. उत्तर (*)

व्याख्याः-

क्र. सं.	मेले/उत्सव	स्थान	माह
1.	ऊँट महोत्सव	बीकानेर	जनवरी
2.	मरू महोत्सव	जैसलमेर	जनवरी - फरवरी
3.	मारवाड़ महोत्सव	जोधपुर	सितम्बर-अक्टूबर
4.	थार महोत्सव	बाड़मेर	मार्च
5.	हाथी महोत्सव	जयपुर	मार्च
6.	दशहरा महोत्सव	कोटा	अक्टूबर
7.	ग्रीष्म महोत्सव	मा. आबू (सिरोही)	मई - जून
8.	जीण माता मेला	सीकर	-
9.	खाटुश्याम मेला	सीकर	-
10.	सालासर मेला	चूरू	-
11.	भर्तृहरि मेला	अलवर	-
12.	करणी माता मेला	बीकानेर	-
13.	गणेश मंदिर मेला	सवाईमाधोपुर	-
14.	कैला देवी मेला	करौली	-
15.	तीज मेला	जयपुर	-
16.	पतंग महोत्सव	जयपुर	जनवरी
17.	कुंभलगढ़ महोत्सव	राजसमंद	दिसम्बर
18.	ब्रज महोत्सव	भरतपुर	फाल्गुन
19.	मेवाड़ महोत्सव	उदयपुर	मार्च-अप्रैल
20.	वृक्ष महोत्सव	खेजड़ली, जोधपुर	सितम्बर
21.	माही महोत्सव	बांसवाड़ा (2025)	जनवरी-फरवरी

25. उत्तर (4)

व्याख्या:-
- **तीर्थ सर्किट में** अजमेर, पुष्कर, नाथद्वारा, महावीर जी आदि पर्यटन स्थलों को सम्मिलित किया गया है।
- **ट्राइबल पर्यटन सर्किट**- इसमें बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़ एवं उदयपुर को शामिल किया गया है।

26. उत्तर (2)

व्याख्या:-
- राज्य में वर्ष 2024 में स्वदेशी पर्यटक यात्राओं की दृष्टि से जिलेवार स्थिति-

1. सीकर (2.76 करोड़) - राज्य का शीर्ष पर्यटन स्थल

2. चित्तौड़गढ़ (2.41 करोड़)

3. अजमेर (2.25 करोड़)

27. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- राजस्थान में वर्ष 1949 में सड़कों की लम्बाई 13553 किमी. थी जो मार्च 2024 तक बढ़कर 3,17,121 किमी हो गई है।
- 31 मार्च 2024 तक राज्य में प्रति 100 वर्ग किमी. पर सड़कों का **घनत्व 92.66 किमी.** है, जो राष्ट्रीय औसत 165.24 किमी. से कम है।

28. उत्तर (4)

व्याख्या:-
- **पूर्व-पश्चिम गलियारा**- यह असम के सिलचर को गुजरात के पोरबंदर से जोड़ने वाला गलियारा है, जो **राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के रूप में 528 km की लम्बाई** में (सिरोही-उदयपुर-चित्तौड़गढ़ -भीलवाडा-बूँदी-कोटा-बाराँ) जिलों से गुजरता है।

29. उत्तर (1)

व्याख्या:-
- **जयपुर मेट्रो कॉर्पोरेशन फेज-2 (सीतापुरा से विद्याधर नगर तक प्रस्तावित):** यह परियोजना भारत व राजस्थान सरकार के बीच संयुक्त उद्यम (50 : 50) का गठन किया जाना प्रक्रियाधीन है। राजस्थान मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा इसका सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाड़ी व विद्याधर नगर (टोडी मोड़ तक) नेटवर्क का विस्तार करेगा व जगतपुरा व वैशाली नगर में मेट्रो विस्तार हेतु DPR तैयार करेगा।

30. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- राजस्थान में सबसे पहले जोधपुर में निजी क्षेत्र में वायु परिवहन शुरू हुआ तथा यहाँ एक फ्लाईंग क्लब की स्थापना की गई थी।
- सांगानेर **अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (जयपुर)**
- रातानाड़ा हवाई अड्डा- जोधपुर (वायु सेना द्वारा भी उपयोग)
- डबोक हवाई अड्डा - उदयपुर
- कोटा हवाई अड्डा - कोटा
- किशनगढ हवाई अड्डा - किशनगढ़ (अक्टूबर 2017)
- जैसलमेर हवाई अड्डा - जैसलमेर (वायुसेना द्वारा भी उपयोग)
- सूरतगढ़ (गंगानगर)- वायुसेना हेतु।
- नाल हवाई अड्डा (बीकानेर) - **भूमिगत हवाई अड्डा,** वायुसेना के उपयोग हेतु तथा वर्तमान में नागरिक उड़ानें भी शुरू।
- फलौदी (जोधपुर)- वायुसेना हेतु।
- उत्तरलाई (बाड़मेर)- वायुसेना व नागरिक सेवा हेतु।

31. उत्तर (2)

व्याख्या:-
- राजस्थान को पाँच रेल मंडलों में विभक्त किया गया है-

1. जयपुर 2. बीकानेर 3. जोधपुर
4. अजमेर 5. कोटा

नोट - कोटा मंडल पश्चिम-मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत आता है, जिसका मुख्यालय जबलपुर में है।
- कोटा मंडल के अलावा शेष चार मंडल उत्तरी-पश्चिम रेलवे जोन में आते हैं, जिसका मुख्यालय जयपुर में है।

32. उत्तर (3)

व्याख्या:-
- **राजस्थान राज्य राजमार्ग अधिनियम, 2014**- राजमार्गों की उद्घोषणा, विकास, संचालन, सुरक्षा, राजमार्गों के नियमन, भूमि के उपयोग से सुविधा के साथ-साथ राजमार्गों एवं अन्य सड़कों के लिए भूमि के अधिग्रहण, राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के गठन और इससे संबंधित आनुषंगिक मामलों के निस्तारण को सुविधाजनक बनाने के लिए 26 अप्रैल, 2015 में एक राजस्थान राज्य राजमार्ग अधिनियम, 2014 बनाया गया। **राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण 1 सितम्बर, 2023** से क्रियाशील हो गया है तथा वर्तमान में (31 मार्च, 2024 तक) **57 राज्य राजमार्गों** को देखरेख इसके अधीन है।

कलाम ACADEMY

33. उत्तर (4)

व्याख्याः-

- **वागड़ टूरिस्ट सर्किट**- डूंगरपुर व बाँसवाड़ा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **मानगढ़धाम-देवसोमनाथ-बेणेश्वर-गलियाकोट-अर्थूना-त्रिपुरी सुंदरी-कडाना-माही बजाज सागर-कागदी पिकअप-घोटिया अम्बा** आदि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को सम्मिलित कर वागड़ टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जायेगा।

34. उत्तर (2)

व्याख्याः-

प्रमुख पैनोरमा स्थल
हड़बूजी का पैनोरमा - **बैंगटी (फलौदी)**
रैवासा धाम (सीकर)
तेजाजी महाराज पैनोरमा - **सुरपुरा (अजमेर)**
हड़बूजी सांखला पैनोरमा - **भूण्डेल (खींवसर, नागौर)**
श्रीगोगादेव जी राठौड़ पैनोरमा - **सेखाला (जोधपुर)**
संत सदाराम जी महाराज को पेनोरमा - **गुहड़ा (जैसलमेर)**
जैसलमेर में थीम पार्क तथा सूरसागर (जोधपुर) में अमर शहीद हेमू कालानी स्मृति स्मारक एवं उद्यान का निर्माण किया जायेगा।

35. उत्तर (2)

व्याख्याः-

- **राजस्थान की ईको टूरिज्म पॉलिसी**- राजस्थान की प्रथम ईको टूरिज्म पॉलिसी 4 फरवरी, 2010 को जारी की गई थी तथा **नवीन ईको-टूरिज्म पॉलिसी 15 जुलाई, 2021 से 2030 तक** के लिए जारी की गई है।

36. उत्तर (4)

व्याख्याः-

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना -

- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का नाम बदलकर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना कर दिया गया है। (19 फरवरी 2024)
- **प्रारम्भ** : 1 मई, 2021 (मजदूर दिवस)
- **नोडल विभाग**- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
- **उद्देश्य** : सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्य (सतत् विकास लक्ष्य) को प्राप्त करने हेतु राज्य के प्रत्येक परिवार को **25 लाख के कैशलेस बीमा** की सुविधा प्रदान करना।

37. उत्तर (3)

व्याख्याः-

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) वाउचर योजना -

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य बजट 2024-25 में राज्य की पात्र गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के उद्देश्य से अधिकृत सोनोग्राफी केन्द्रों पर नि:शुल्क सोनोग्राफी सेवा उपलब्ध करवाने हेतु मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) वाउचर योजना प्रारम्भ की गई है।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 17 सितम्बर, 2024 को जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इस योजना का शुभारंभ किया।

38. उत्तर (3)

व्याख्याः-

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना-2024

- शुभारंभ - दिसम्बर 2024
- राज्य सरकार द्वारा दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक एवं बालिकाओं को राहत देने के लिए '**मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना**' को सम्पूर्ण राज्य में शुरू किया गया है।
- नोडल विभाग - सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

39. उत्तर (3)

व्याख्याः-

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- यह भारत सरकार द्वारा संचालित एक मातृत्व लाभ कार्यक्रम है।
- **लॉन्च** - 1 जनवरी, 2017
- राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2024 से पहली संतान के जन्म पर गर्भवती महिलाओं को 1,500 रु. अतिरिक्त राशि प्रदान करना शुरू किया है। दिव्यांग गर्भवती महिलाओं के लिए यह राशि 1 सितंबर 2024 से 6,500 रु. से बढ़ाकर 10,000 रु. (4000, 3000, 3000) कर दी गई है।

40. उत्तर (2)

व्याख्या:-

कालीबाई भील उड़ान योजना

- **शुरूआत :** 19 दिसम्बर, 2021
- इस योजना के तहत राज्य की 10 से 45 वर्ष तक की बालिकाएँ एवं महिलाएँ पात्र होंगी।
- इस योजना के तहत प्रतिमाह 12 सेनेटरी नैपकिन नि:शुल्क वितरित किये जा रहे है।

41. उत्तर (4)

व्याख्या:-

पालनहार योजना

- इस योजना के **तहत् पात्र बच्चों की 10 श्रेणियां** इस प्रकार हैं-

1. अनाथ बच्चे (जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु)
2. न्यायिक प्रक्रिया से मृत्युदण्ड / आजीवन कारावास प्राप्त माता-पिता की संतान
3. निराश्रित पेंशन की पात्र विधवा माता की अधिकतम तीन संतानें
4. नाता जाने वाली माता की अधिकतम तीन संताने
5. पुनर्विवाहित विधवा माता की संतान
6. एड्स पीड़ित माता/पिता की संतान
7. कुष्ठ रोग से पीड़ित माता/पिता की संतान
8. सिलकोसिस पीड़ित माता/पिता की संतान
9. विकलांग माता - पिता की संतान
10. तलाकशुदा / परित्यकता महिला की संतान

42. उत्तर (1)

व्याख्या:-

एग्री स्टैक योजना

- 2 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने 2817 करोड़ रुपये के परिव्यय से 'डिजिटल कृषि मिशन' को मंजूरी प्रदान की, इस मिशन के तहत निम्न तीन डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना बनायी जाएगी।

  1. एग्री स्टैक 2. कृषि निर्णय सहायता प्रणाली
  3. मृदा प्रोफाइल मैपिंग

- राज्य की वर्तमान सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर दिसम्बर 2024 माह में सीकर जिले से एग्री स्टैक योजना को पायलेट प्रोजेक्ट तौर पर राजस्थान में शुरू किया गया।
- ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री कैम्पस लगाकर 5 फरवरी 2025 से एग्री स्टैक योजना को सम्पूर्ण राजस्थान में प्रारम्भ किया गया।

43. उत्तर (3)

व्याख्या:-

गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना

- राजस्थान बजट 2024-25 की अनुपालना में गोवंश से जैविक खाद उत्पादन करने हेतु राज्य सरकार द्वारा **गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना** प्रारम्भ की गई।
- **विभाग:** कृषि विभाग, राजस्थान सरकार।
- **अनुदान:** इस योजना के अन्तर्गत किसान द्वारा अपने खेत में वर्मी कम्पोस्ट इकाई लगाने पर लागत का पचास फीसदी या अधिकतम दस हजार रुपये का अनुदान देय।
- **आवेदन हेतु पात्रताएं**-
  - *(i)* कृषक के पास कम से कम 5 गोवंश होने चाहिए।
  - *(ii)* कृषक के पास कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व होना चाहिए।
- राजस्थान बजट 2025-26 के अन्तर्गत राज्य सरकार ने इस योजना के अन्तर्गत **50 हजार कृषकों को लाभान्वित** किए जाने की घोषणा की है।

44. उत्तर (3)

व्याख्या:-

योजना	विभाग
• मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
• किशोरी बालिका योजना	महिला एवं बाल विकास विभाग
• मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना	चिकित्सा विभाग
• मृदा शक्ति संवर्धन योजना	कृषि विभाग

कलाम ACADEMY

45. उत्तर (4)

व्याख्याः-

- **राम जल सेतु परियोजना:-**
- **प्रस्तावित कार्य :** इस परियोजना के तहत 6 बैराज तथा 2 बाँध का कार्य प्रस्तावित है-

बैराज-

1. कुन्नू बैराज (बाराँ) - कुन्नू नदी
2. रामगढ़ बैराज (बाराँ) - कूल नदी
3. महलपुर बैराज (बाराँ) - पार्वती नदी
4. नवनेरा बैराज (कोटा) - कालीसिंध नदी
5. मेज बैराज (बूँदी) - मेज नदी
6. राठौड़ बैराज (सवाईमाधोपुर) - बनास नदी

46. उत्तर (4)

व्याख्याः-

- राजस्थान सरकार की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संबंधित योजनाएँ-

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना

नवजीवन योजना

47. उत्तर (3)

व्याख्याः-

मुख्यमंत्री मंगला पशु जीवन योजना

- **योजना प्रारम्भ-** 13 दिसम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री द्वारा कायड़ अजमेर से
- **नोडल विभाग-**पशुपालक विभाग
- पशु की कीमत का मूल्यांकन पशु के स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन क्षमता, आयु, ब्यात् व नस्ल आदि के आधार पर प्रचलित बाजार मूल्य अनुसार पशु चिकित्सक, पशुपालक एवं बीमा प्रतिनिधि द्वारा आपसी सहमति से किया जावेगा तदापि बीमा के लिये 1 कैटल यूनिट पशु की अधिकतम कीमत 40,000/- रूपये ही होगी।

पशु की उम्र का निर्धारण

पशु का प्रकार	बीमा हेतु पशु की उम्र
गाय (दुधारू)	3 वर्ष से 12 वर्ष
भैंस (दुधारू)	4 वर्ष से 12 वर्ष
बकरी (मादा)	1 वर्ष से 6 वर्ष
भेड़ (मादा)	1 वर्ष से 6 वर्ष
ऊँट (नर एवं मादा)	2 वर्ष से 15 वर्ष

48. उत्तर (2)

व्याख्याः-

बर्तन बैंक योजना

- बजट घोषणा 2025-26 की अनुपालना में प्लास्टिक मुक्त गाँव की दिशा में कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 12 अप्रैल, 2025 को **बाराँ** जिले से बर्तन बैंक योजना का शुभारम्भ किया है।
- इस योजना के अन्तर्गत **प्रदेश का पहला बर्तन बैंक** कोटा जिले की **खैराबाद** पंचायत समिति में खोला गया।

49. उत्तर (3)

व्याख्याः-

बाबा साहब अम्बेडकर सम्बल योजना

- 14 अप्रैल 2025 को राजस्थान सरकार द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाले गाँवों में आधारभूत संरचना एवं विकास कार्यो हेतु **'बाबा साहेब अम्बेडकर सम्बल योजना'** प्रारम्भ की गई।

50. उत्तर (2)

व्याख्याः-

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना

- ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने एवं समावेशी विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना 1 अप्रैल, 2008 से सम्पूर्ण देश में संचालित है।
- इस योजना के तहत उक्त अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को (जिसके व्यस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने को तैयार है।) एक वित्तीय वर्ष के दौरान 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।
- 'ग्राम सभा' कार्यों के चयन तथा वार्षिक कार्य योजना तैयार करने हेतु मुख्य रूप से अधिकृत है।
- 'ग्राम सभा' सामाजिक अंकेक्षण करती है।

कलाम ACADEMY

51. उत्तर (2)

व्याख्या:-

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (PM-जनमन)

- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए 'प्रधानमंत्री PVTG विकास मिशन' शुरू किया गया है।
- बाराँ जिले की सभी 8 पंचायत समितियों में निवासरत PVTG (सहरिया) के परिवारों के लिए आवास निर्माण हेतु 2.35 लाख रु. दिये जाने का प्रावधान है। जिसमें सम्मिलित हैं-
    - आवास निर्माण हेतु 2 लाख रु.,
    - (स्वच्छ भारत मिशन) शौचालय निर्माण हेतु 12000 रु. और
    - (मनरेगा के तहत) अकुशल मानव दिवस की पारिश्रमिक राशि 22950 रु.।

52. उत्तर (4)

व्याख्या:-

योजना	आरंभ वर्ष
किसान कलेवा योजना	2014
ऊँट प्रजनन प्रोत्साहन योजना	2 अक्टूबर, 2016
मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन पेंशन योजना	2013
राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना	28 मार्च, 2025

53. उत्तर (3)

व्याख्या:-

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, 2024

- **शुभारंभ-** 15 दिसम्बर, 2024 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा
- राजस्थान के अंसगठित क्षेत्र के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं (Street Vendors) तथा लोक कलाकारों द्वारा भविष्य सम्बन्धी आशंकाओं के समाधान एवं वृद्धावस्था में उन्हें संबल प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, 2024' लागू की है।

54. उत्तर (4)

व्याख्या:-

अरावली ग्रीन वाल परियोजना

- इस योजना को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत् नई दिल्ली से शुरू किया था।
- इस परियोजना का विस्तार राजस्थान के 19 जिलों (उदयपुर, सिरोही, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, झुन्झुनूं, अलवर, जयपुर, अजमेर, पाली, नागौर, सीकर, दौसा, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, राजसमंद) में है। (सर्वाधिक विस्तार उदयपुर तथा सबसे कम विस्तार भरतपुर में)

55. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 1540 ई. में रचित ग्रंथ पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी एवं मेवाड़ शासक रावल रतन सिहं के मध्य युद्ध का वर्णन मिलता है
- इस ग्रंथ में युद्ध का कारण रानी पद्मिनी की सुन्दरता को माना गया है।
- इसका लेखन मलिक मोहम्मद जायसी द्वारा किया गया था।

कलाम ACADEMY

56. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- जयानक द्वारा रचित पृथ्वीराज विजय ग्रंथ की भाषा संस्कृत है, जिसमें पृथ्वीराज तृतीय चौहान के वंशक्रम व उपलब्धियों का वर्णन है।

57. उत्तर (3)

व्याख्या:-

रचना	लेखक
हंसतोड़ा होंठा रो सांच	आईदान सिंह भाटी
गुणभाषा	हेमकवि
बुद्धि रासौ	जल्ह
बारीक बात	रामस्वरूप किसान
बौले सरणाटौ, बाथां में भूगोल	हरीश भादाणी
रिन्दरोही	अर्जुन देव चारण
गलालैंग	अमरनाथ जोगी
प्रबन्ध कोश	राजशेखर
संस्कृत री सनातन दीठ	भँवर सिंह सामौर

58. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृत अकादमी की स्थापना वर्ष 1983 में बीकानेर में की गई।

59. उत्तर (1)

व्याख्या:-

साहित्यिक संगठन व संस्थाएं	स्थान
अन्तर प्रान्तीय कुमार साहित्य परिषद्	जोधपुर
हिन्दी साहित्य समिति	भरतपुर
भारतेन्दु समिति	कोटा
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	श्री डूंगरगढ़
हिन्दी संसद	चुरू
सिंध राजस्थान राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	जयपुर
राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान	जयपुर
युगधारा	उदयपुर
साहित्य संगम	अलवर
संभावना	जोधपुर
सरस्वती भंडार	उदयपुर
अनूप संस्कृत पुस्तकालय	बीकानेर
पुस्तक प्रकाश	जोधपुर
शास्त्र भंडार	आमेर

60. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- 18 अगस्त, 2025 तक 'मिशन हरियालो राजस्थान अभियान 2.0' के तहत् राजस्थान में सर्वाधिक वृक्षारोपण शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

61. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभिमान' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति मूल्यांकन हेतु **केरल** राज्य की टीम द्वारा **राजस्थान** में 'पीयर रिव्यू' अभियान आयोजित किया गया।
- यह अभियान 18 से 24 अगस्त, 2025 तक राजस्थान के चयनित 6 जिलों (जयपुर, उदयपुर, अलवर, चूरू, बूँदी एवं झुंझुनूं) में संचालित किया गया।

62. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबी बनाने एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी प्रदान की गई है।
- इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने, पहले से स्थापित उद्यम का विस्तार, विविधीकरण अथवा आधुनिकीकरण करने हेतु वित्तीय संस्थानों के माध्यम से मार्जिन मनी एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो निम्नलिखित प्रावधानों के अधीन होगा-
  - ♦ **मार्जिन मनी :** वित्तीय संस्थान द्वारा दिये गये ऋण पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रूपये तक मार्जिन मनी अनुदान।
  - ♦ **ब्याज अनुदान :** अधिकतम 2 करोड़ रूपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान दिया जायेगा।

63. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- 28 अगस्त, 2025 को राज्य की स्वयं सहायता समुहों की महिला सदस्यों, शिल्पकारों व लघु उद्यमियों को उनके उत्पादों व कौशल प्रदर्शन हेतु मंच प्रदान किए जाने हेतु राजीविका व वी. शक्ति ट्रस्ट संस्थानों के मध्य एक 'गैर वित्तीय समझौते पत्र' हस्ताक्षरित किया गया।

64. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 27 अगस्त, 2025 को भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने 7वें वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यग्रहण कर लिया है। (नियुक्ति 1 अगस्त, 2025 को की गई)
- सेवानिवृत्त IAS नरेश कुमार ठकराल को आयोग का सचिव बनाया गया है।
- आयोग के अध्यक्ष एवं सचिव का कार्यकाल अधिसूचना की तारीख (1 अगस्त, 2025) से डेढ़ वर्ष होगा तथा यह आयोग 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2030 तक (पाँच वर्ष) की अवधि के लिए अपना प्रतिवेदन सरकार को देगा।
- संविधान के अनुच्छेद 243-I और अनुच्छेद 243-Y तथा राजस्थान पंचायती राज अधिनियम-1994 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 के उपबन्धों के अनुसरण में राज्यपाल राज्य वित्त आयोग का गठन करता है।

65. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- 16 से 30 अगस्त तक कजाखस्तान में आयोजित 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के जूनियर वर्ग में राजस्थान के अभिनव चौधरी ने तीन स्वर्ण पदक (25 मीटर राइफल फायर पिस्टल जूनियर टीम, 25 मीटर पिस्टल जूनियर, 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर टीम) जीते।

कलाम ACADEMY

66. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- निगमन विधि- अरस्तू
- आगमन विधि - फ्रांसिस बेकन
- प्रश्नावली विधि - फ्रांसिस गेल्टन
- पर्यवेक्षित अध्ययन विधि - डेजी मारविल जॉन
- खेल विधि - कोल्डवेलकुक

67. उत्तर (3)

व्याख्या:-

व्याख्यान विधि-

- यह विधि उच्च स्तर की कक्षाओं के लिए उपयोगी है।
- शिक्षक निर्धारित समय में अधिक विषय-वस्तु प्रेषित कर सकता है। इस प्रकार अल्पावधि में पाठ्यक्रम पूरा किया जा सकता है।
- श्रवण क्षमता का विकास भी इस पद्धति से होता है। विद्यार्थियों में ध्यानपूर्वक एकाग्र होकर सुनने की क्षमता विकसित होती है।
- यह पद्धति ज्ञानात्मक पक्ष के विकास हेतु उत्तम है।
- विद्यार्थियों के एक बड़े समूह को एक साथ अनुदेशन प्रदान किया जा सकता है।

68. उत्तर (3)

व्याख्या:-

प्रदर्शन विधि-

- इस विधि में छात्रों को अप्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होते हैं क्योंकि छात्रों को स्वयं प्रयोग करने का अवसर नहीं मिल पाता। अर्थात् यह करके सीखने के सिद्धांत की उपेक्षा करती है एवं 'सुनो, देखो एवं समझो' के सिद्धांत पर आधारित है।
- छात्रों में प्रयोगात्मक कुशलताओं का अपेक्षित विकास नहीं हो पाता तथा साथ ही तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी अपेक्षित विकास नहीं हो पाता।

69. उत्तर (4)

व्याख्या:-

समाजीकृत अभिव्यक्ति विधि के गुण :-

1. इस विधि के प्रयोग से विद्यार्थियों के समाजीकरण में सहायता मिलती है।
2. इसके अंतर्गत विद्यार्थियों में सहयोग, शिष्टाचार, सद्भाव एवं मिल-जुलकर कार्य करने की भावना का विकास होता है।
3. इस विधि के प्रयोग से शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों में मधुरता आती है।
4. स्वतंत्र तर्क व चिंतन के लिए प्रेरित करना।
5. विद्यार्थी स्वयं ही अध्ययन हेतु प्रेरित होता है, क्योंकि वह समूह में स्वयं को प्रभुत्व दिखाने के लिए अधिक से अधिक अध्ययन करता है।

70. उत्तर (4)

व्याख्या:-

समाजीकृत अभिव्यक्ति विधि की प्रकृति को निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है-

1. **औपचारिक वर्ग योजना :-** इसके अन्तर्गत छात्र अपने को संगठित कर समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हैं। इसमें छात्र निर्धारित नियमों एवं सिद्धान्तों के अनुसार अपने अध्यक्ष की अनुमति से अपने-अपने विचार तथा सुझाव रखते हैं। इसके साथ-साथ अध्यक्ष को ही सम्बोधित करके प्रस्तुत समस्या का समाधान खोजने का प्रयास करते हैं। औपचारिक चर्चाओं में विषय के ज्ञाता विज्ञजनों को भी आमंत्रित किया जाता है जिससे समस्त समुदाय को उनके ज्ञान का लाभ प्राप्त हो सके। इन्हें 'सन्दर्भ व्यक्ति' की संज्ञा दी जाती है। दल के नेता अथवा सदस्यों की सहायता के लिए ये व्यक्ति पुस्तकालय की भाँति उपलब्ध रहते हैं।
2. **अनौपचारिक वर्ग योजना :-** इसके अन्तर्गत छात्र एवं शिक्षक निश्चित नियमों के अनुसार विचार-विमर्श नहीं करते हैं बल्कि स्वतन्त्रतापूर्वक किसी भी समस्या पर एक साथ सामूहिक रूप से विचार-विमर्श करते हैं। यह पद्धति लाभप्रद तो है पर इसकी अवस्था अध्यापक को बड़ी सावधानी से करनी पड़ेगी क्योंकि यदि नेता चतुर, ज्ञान और योग्य न हुआ तो यह व्यर्थ में समय नष्ट करना मात्र बन जायेगा। कई विद्वान इसे समाजीकृत अभिव्यक्ति भी नहीं मानते क्योंकि इस व्यवस्था में केवल इतना ही नयापन होता है कि एक प्रशिक्षित योग्य अध्यापक के स्थान पर अपरिपक्व बुद्धि वाला छात्र शिक्षण का कार्य करता है।

कलाम ACADEMY

71. उत्तर (2)

व्याख्या:-

ट्यूटोरियल विधि–

- कक्षा शिक्षण में जो विद्यार्थी अधिगम अर्जन में कठिनाई अनुभव कर रहे या किसी रूप में पीछे रह गये है, उन विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त उपचारात्मक (Vemedial) या पूरक (Supplementary) शिक्षण की व्यवस्था करना।

72. उत्तर (3)

व्याख्या:-

समस्या समाधान विधि के सोपान –

1. समस्या का चयन करना
2. समस्या का प्रस्तुतीकरण
3. परिकल्पनाओं का निर्माण
4. आँकड़ों का संग्रह
5. आँकड़ों का विश्लेषण
6. निष्कर्ष निकालना

73. उत्तर (2)

व्याख्या:-

निगमन विधि में काम में आने वाले शिक्षण सूत्र –

- नियम से उदाहरण की ओर
- सामान्य से विशिष्ट की ओर
- प्रमाण से प्रत्यक्ष की ओर
- सूक्ष्म से स्थूल की ओर
- अज्ञात से ज्ञात की ओर

74. उत्तर (4)

व्याख्या:-

अभिक्रमित अनुदेशन का प्रकार एवं विकास कर्त्ता

- रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन – बी.एफ. स्कीनर
- शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन – नार्मन ए. क्राउडर
- मैथेटिक्स/अवरोह अभिक्रमित अनुदेशन – टी.एफ. गिलबर्ट
- कम्प्यूटर सह अनुदेशन– लारेन्स स्टोलुरो
- शिक्षार्थी/अधिगम कर्त्ता नियंत्रित अनुदेशन – रॉबर्ट मेगर
- मैथमेजेनिक्स अभिक्रमित अनुदेशन – ई. जेड. रॉथकाप
- नियम-उदाहरण शैली/उदाहरण नियम शैली – इव्वान्स होमे एवं ग्लेसर

75. उत्तर (2)

व्याख्या:-

- रेखीय अभिक्रम का मुख्य लक्ष्य = व्यवहार परिवर्तन करना
- शाखीय अभिक्रम का मुख्य लक्ष्य = निदान एवं उपचार करना
- मैथेटिक्स अभिक्रम का मुख्य लक्ष्य =पाठ्यवस्तु पर स्वामित्व प्राप्त करना

76. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **बाइनिंग & बाइनिंग** – इसमें शिक्षक द्वारा कक्षा तथा छात्रों के एक वर्ग का उस समय निरीक्षण किया जाता है जब वे अपनी डेस्कों या मेजों पर कार्य करते रहते हैं।

77. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- आगमन विधि में अनुभवों प्रयोगों व उदाहरणों का अध्ययन करके नियम बनाये जाते हैं।
- यह परिकल्पना विकास की ओर ले जाती है।
- यह विशिष्ट सामान्य की ओर बढ़ती है।
- यह खोज की एक विधि है।

78. उत्तर (3)

व्याख्या:-

दल शिक्षण की विशेषताएं –

- दल शिक्षण में, दो या दो से अधिक शिक्षक मिलकर एक ही समूह या कक्षा को पढ़ाते हैं।'पूरक शिक्षण' इसका एक महत्वपूर्ण स्वरूप है, जिसका अर्थ है कि शिक्षक एक-दूसरे के शिक्षण की पूर्ति या सहायता करते हैं।
- एक शिक्षक मुख्य व्याख्यान देता है, जबकि दूसरा शिक्षक महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं को रेखांकित करता है और दूसरा मूल्यांकन करता है पूरक शिक्षण को सबसे अच्छे से दर्शाता है :
- मुख्य शिक्षक : मुख्य व्याख्यान देता है, जो विषय-वस्तु को प्रस्तुत करने का प्राथमिक कार्य है।
- पूरक शिक्षक 1 : महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं को रेखांकित करता है। यह मुख्य शिक्षण को दृश्य सहायता प्रदान करता है और छात्रों को नोट्स बनाने में मदद करता है।

कलाम ACADEMY

पूरक शिक्षक 2 : मूल्यांकन करता है। यह छात्रों की समझ को तत्काल जांचता है, प्रश्न पूछ सकता है, या असाइनमेंट चेक कर सकता है।

79. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- सूक्ष्म शिक्षण एक ऐसी तकनीक है जिसका उद्देश्य विशिष्ट शिक्षण कौशलों को विकसित करना है।
- इस पूरी प्रक्रिया में प्रतिपुष्टि सबसे मुख्य और महत्वपूर्ण चरण होता है।
- प्रतिपुष्टि का उद्देश्य केवल गलतियों को बताना नहीं होता, बल्कि यह प्रशिक्षु शिक्षक को उनके प्रदर्शन के बारे में विस्तृत जानकारी देती है, जिससे उन्हें यह पता चलता है कि उन्होंने क्या अच्छा किया और किन क्षेत्रों में उन्हें सुधार करने की आवश्यकता है।
- यह जानकारी ही शिक्षक को अगले चरण (पुन: योजना, पुन: शिक्षण और पुन: प्रतिपुष्टि) में अपने कौशल को परिष्कृत करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, जो कि सूक्ष्म शिक्षण का अंतिम लक्ष्य है।

80. उत्तर (4)

व्याख्या:-

पाठ्यपुस्तक विधि

- स्व अध्ययन की आदत का निर्माण होता है।
- विषय वस्तु क्रमबद्ध होने के कारण छात्रों के पढ़ने के दृष्टिकोण का विकास होता है।
- स्मरण शक्ति का विकास होता है।

81. उत्तर (2)

व्याख्या:-

प्रायोजना विधि के आधारभूत सिद्धांत-

- करके सीखने का सिद्धांत (Learning by Doing)
- जीवन से सीखने का सिद्धांत (Learning by Living)
- सहयोग और सहभागिता का सिद्धांत (Learning by Co-operation & Association)
- स्वतंत्रता का सिद्धांत
- वास्तविकता का सिद्धांत
- सोद्देश्य का सिद्धांत

82. उत्तर (3)

व्याख्या:-

प्रश्नावली विधि-

- प्रश्नावली छोटे-छोटे प्रश्नों की एक सूची होती है, जिसके द्वारा उत्तर देने वाले व्यक्तियों से उनके दिये गये उत्तरों के माध्यम से आवश्यक सूचनाएँ एकत्रित की जाती है।
- **बोगार्डस**- 'प्रश्नावली प्रश्नों की एक सूची है, जो कई व्यक्तियों को उत्तर हेतु दी जाती है।'
- इस विधि का जनक सर फ्रांसिस गेल्टन है।
- जी. स्टैनली हॉल ने इस विधि को लोकप्रिय बनाया।
- आर. एस. वुडवर्थ ने मनोविज्ञान के क्षेत्र प्रथम पर्सनल डेटा इन्वेन्टरी का निर्माण किया जिसे प्रश्नावली विधि का प्रारंभिक रूप माना जाता है।

83. उत्तर (2)

व्याख्या:-

प्रश्नोत्तर विधि-

- इस विधि में विद्यार्थी प्रश्न पूछता भी है साथ ही प्रश्नों के उत्तर भी देता है।
- इस विधि में छात्र व अध्यापक दोनों ही सक्रिय रहते है। जिससे विद्यार्थियों की रुचि व जिज्ञासा बनी रहती है।
- प्रश्नोत्तर विधि को संवाद विधि (Socratic method) भी कहा जाता है इस विधि के जनक प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात है।

84. उत्तर (4)

व्याख्या:-

शैक्षिक भ्रमण विधि-

- उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल शिक्षण के लिए शैक्षिक भ्रमण विधि सबसे उपयोगी रहती है। क्योंकि इस विधि द्वारा **प्रत्यक्ष अनुभव, निरीक्षण क्षमता, अनौपचारिक शिक्षण, रुचिपूर्ण अधिगम, सामाजिक गुणों** का विकास होता हैं।

कलाम ACADEMY

85. उत्तर (4)

व्याख्या:-

- कोल्डवेलकुक के अनुसार 'खेल बालक की स्वाभाविक प्रवृत्ति है जितना मन बालक का खेल में लगता है और किसी कार्य में नहीं।'

86. उत्तर (3)

व्याख्या:-

वर्तमान समय में प्रयोजना विधि से शिक्षण के दौरान मुख्यत: या सामान्यत: 6 पदों का अनुसरण किया जाता है जो निम्न है -

- परिस्थिति प्रदान करना (Providing a Situation)
- प्रोजेक्ट का चुनाव और उसके उद्देश्य का स्पष्टीकरण (Choosing of Project & Defining it's purpose)
- परियोजना का नियोजन/कार्यक्रम बनाना (Planning of the Project)
- प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन (Execution of the Project)
- प्रोजेक्ट का मूल्यांकन (Evaluation of the Project)
- प्रोजेक्ट का अभिलेखन/आलेखन (Recording of the Project)

87. उत्तर (1)

व्याख्या:-

- **मस्तिष्क उद्वेलन विधि की प्रक्रिया :-** यह एक ऐसी विधि है जिसमें ऐसे साधन प्रयोग किये जाते हैं जो छात्रों के मस्तिष्क में ज्ञान प्राप्ति तथा चिंतन के प्रति हलचल मचा देते हैं। इसमें छात्रों के समक्ष एक समस्या प्रस्तुत की जाती है जिस पर सभी छात्र स्वतंत्रतापूर्वक विचार करते हैं, वार्तालाप तथा वाद-विवाद करते हैं। शिक्षक सभी विचारों को श्यामपट्ट पर लिखता चला जाता है, छात्र सभी तर्कों का सारांश देता है।

  अचानक से समस्या का हल छात्रों को मिल जाता है। यह छात्रों में चिंतन विकसित करती है और उन्हें समस्या के विश्लेषण, संश्लेषण तथा मूल्यांकन में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

  इस विधि में विद्यार्थियों का एक ग्रुप या समूह बनाकर उनके सामने एक समस्या रखी जाती है तथा सभी सदस्यों का उस समस्या से संबंधित उनके मस्तिष्क में आने वाले विचारों को प्रकट करने की बिना किसी रोक-टोक एवं सही गलत के पूर्ण स्वतंत्रता दी जाती है एवं प्राप्त विचारों पर परिचर्चा उपरांत प्राप्त निष्कर्ष को समस्या के हल के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है।

88. उत्तर (4)

व्याख्या:-

प्रायोजना विधि के गुण:-

- यह एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित विधि है जिसमें बालक को केन्द्र मानकर अधिगम करवाया जाता है।
- यह प्रयोगात्मक एवं व्यावहारिक विधि है। यह विधि **करके सीखना** (Learning by doing) एवं **जीवन से सीखना** (Learning by Living) आदि सिद्धांतों पर आधारित है।
- यह सीखने की प्रजातांत्रिक/लोकतांत्रिक विधि है। इसमें विद्यार्थी अपने ढंग से कार्य करन हेतु स्वतंत्र होता है।
- इस विधि में जिस प्रोजेक्ट पर कार्य किया जाता है वह जीवनोपयोगी एवं वास्तविक होता है।
- यह विधि समवायी रूप से शिक्षण देने की आदर्श विधि है। इसमें प्रोजेक्ट का चुनाव समवाय के तीन महत्वपूर्ण केन्द्रों **उद्योग, सामाजिक एवं प्राकृतिक परिवेश** से चुना जाता है।

प्रायोजना विधि के दोष/सीमाएँ-

- यह विधि अत्यधिक महंगी है।
- छात्रों के अनुपात में उच्च प्रशिक्षित अध्यापक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।
- इस विधि से शिक्षण में बहुत अधिक समय लगता है। इस विधि से सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को नहीं पढ़ाया जा सकता है।
- इसमें अध्यापक से अत्यधिक अपेक्षा एवं आशा बढ़ जाती है जिससे अध्यापक का कार्य बहुत बढ़ जाता है।
- व्यावहारिक न होने के कारण यह विधि अधिक प्रचलन में नहीं है।
- छोटे बच्चों के लिए अनुपयुक्त।

89. उत्तर (3)

व्याख्या:-

- **समस्या समाधान विधि-** इस विधि में विद्यार्थी के समक्ष कोई विशेष समस्या या कठिनाई या परिस्थिति रखी जाती है जिसका विद्यार्थी मानसिक क्रियाओं द्वारा हल ढूंढने का प्रयास करता है।

90. उत्तर (4)

व्याख्या:-

अनुसंधान विधि के सिद्धांत -

1. करके सीखने का सिद्धांत (क्रियाशीलता का सिद्धान्त)
2. उपयोगिता का सिद्धांत
3. स्वतंत्रता का सिद्धांत

4. तार्किक चिन्तन एवं अन्तर्दृष्टि का सिद्धांत
5. वैज्ञानिकता एवं मनोवैज्ञानिकता का सिद्धान्त

91. उत्तर (2)

व्याख्या-

- सर्वप्रथम स्वदेशी और बहिष्कार को संघर्ष की विधि के रूप में भारतीयों द्वारा बंगाल विभाजन के विरुद्ध हुए स्वदेशी आन्दोलन में अपनाया गया था।

92. उत्तर (1)

व्याख्या-

- 1907 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन ताप्ती नदी के तट पर सूरत में हुआ, जिसकी अध्यक्षता को लेकर गरमपंथियों और नरमपंथियों में मतभेद उत्पन्न हो गया। गरमपंथी लाला लाजपत राय को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। लेकिन नरमपंथियों ने रास बिहारी घोष को अध्यक्ष बनाया।
- इसके बाद गमरपंथियों को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया। उस सूरत की फूट को एनीबेसेंट ने कांग्रेस के इतिहास की सबसे दु:खद घटना बताया।

93. उत्तर (4)

व्याख्या-

- गांधीजी ने स्वयं सितम्बर, 1920 में कांग्रेस के कलकत्ता के विशेष अधिवेशन में असहयोग का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। लेकिन सी.आर. दास ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था।
- असहयोग आन्दोलन में सर्वाधिक प्रभाव विदेश से होने वाले विदेशी कपड़े के आयात पर पड़ा था।
- असहयोग आन्दोलन के दौरान आन्ध्रप्रदेश के गुंटूर जिले में आदिवासी तथा किसानों के द्वारा असहयोग आन्दोलन के समर्थन में वन सत्याग्रह चलाया गया।
- चौरी-चौरा की घटना के पश्चात् 12 फरवरी 1922 को बारदोली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में असहयोग आन्दोलन को वापस ले लिया गया था।

94. उत्तर (3)

व्याख्या-

- 1919 के भारत सरकार अधिनियम के प्रभावों की समीक्षा करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने 1927 में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में एक कमीशन बनाया इस कमीशन में 7 सदस्य थे जो कि सभी अंग्रेज थे।
- यह कमीशन 3 फरवरी 1928 को बम्बई पहुँचा जहाँ इसके विरोध में काले झण्डे दिखाकर साइमन वापस जाओ के नारे लगाए गए।
- इस कमीशन का समर्थन मुस्लिम लीग के शफी गुट, जस्टिस पार्टी, यूनियनिस्ट पार्टी ने किया।
- इस कमीशन का विरोध करने वाले संगठनों में कांग्रेस, हिन्दू महासभा, लिबरल फेडरेशन, किसान मजदूर पार्टी, कम्यूनिस्ट पार्टी व मुस्लिम लीग का जिन्ना गुट शामिल थे।

95. उत्तर (3)

व्याख्या-

- 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के समय बलिया में चितू पांडे (पहली) और सतारा में नाना पाटिल के नेतृत्व में सर्वाधिक समय (1943-1946) तक चलने वाली समानान्तर सरकार बनीं थी। इसी समय मिदनापुर में जातीय सरकार भी बनीं थी।

96. उत्तर (3)

व्याख्या-

- महात्मा गांधी ने यंग इंडिया के माध्यम से वायस रॉय के समक्ष जनवरी, 1930 में 11 सूत्रीय मांग रखी, जिन्हें 11 मार्च तक स्वीकृत करने का समय दिया गया था। लेकिन मांगों को स्वीकार ने किए जाने पर गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन चलाने का निश्चय किया और 12 मार्च, 1930 को दांडी यात्रा आरंभ कर 6 अप्रैल, 1930 को नमक कानून तोड़ा।
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान जे.एम. सेनगुप्ता ने बंगाल में अखिल बंगाल सविनय अवज्ञा परिषद का गठन किया।
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान मध्य प्रान्त में जबलपुर में सेठ गोविंददास ने रासायनिक नमक बनाने का प्रयास किया था।
- इसी दौरान बिहार में 'चौकीदारी कर' न देने का आन्दोलन चलाया गया था।
- मद्रास में 12 मार्च को सविनय अवज्ञा उद्घाटन दिवस के रूप में मनाया गया था।

कलाम ACADEMY

97. उत्तर (2)

व्याख्या-

- 20 फरवरी, 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने संसद में घोषणा की कि 30 जून, 1948 तक भारत को स्वतंत्रता दे दी जायेगी।

98. उत्तर (2)

व्याख्या-

- 2 सितम्बर, 1946 को पंडित नेहरू के नेतृत्व में 14 सदस्यीय अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसमें अध्यक्ष के पद पर स्वयं गवर्नर जनरल और उपाध्यक्ष पंडित नेहरू बने थे।

99. उत्तर (2)

व्याख्या-

- रोलेक्ट एक्ट एवं डॉ. सत्यपाल एवं सैफुद्दीन किचलु की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल, 1919 को वैशाखी के दिन जलियावाला बाग में एक सभा का आयोजन किया गया, जिस पर सेना के अधिकारी जनरल डायर ने बिना चेतावनी के गोलियां चलवा दी। जिसमें सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 379 लोग मारे गए। लेकिन वास्तव में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक थी।
- जलियावाला बाग हत्याकांड के विरोध में शंकरन नायर ने वायसराय की कार्यकारिणी से त्यागपत्र दे दिया तथा रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी।

100. उत्तर (3)

व्याख्या-

- माउन्टबेटन ने 3 जून, 1947 को भारत के विभाजन और स्वतंत्रता से संबंधित एक योजना प्रस्तुत की जिसे 3 जून योजना या माउन्टबेटन योजना के नाम से भी जाना जाता है।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस योजना का विरोध किया था।

101. उत्तर (4)

व्याख्या-

- बंगाल विभाजन के विरोध में स्वदेशी आन्दोलन चलाया गया, इस आन्दोलन में स्वदेशी राष्ट्रीय शिक्षा, स्वदेशी उद्यमों और भारतीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा दिया गया।
- स्वदेशी आन्दोलन को आन्ध्रप्रदेश डेल्टा क्षेत्र में 'वन्दे मातरम' आन्दोलन के नाम से जाना जाता है।
- स्वदेशी आन्दोलन के दौरान अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता का चित्र बनाया था।

102. उत्तर (3)

व्याख्या-

- 1919 के भारत शासन अधिनियम के तहत होने वाले चुनावों को लेकर कांग्रेस में मतभेद उत्पन्न हो गए तथा कांग्रेस परिवर्तनवादी व अपरिवर्तनवादी दो गुटों में बट गयी।

परिवर्तनवादी	अपरिवर्तनवादी
कौंसिल के चुनावों में भाग लेने के पक्षधर	कौंसिल के चुनावों में भाग लेने के विरोधी
प्रमुख नेता : सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू, विठ्ठल भाई पटेल,हकीम अजमल खाँ आदि।	प्रमुख नेता : वल्लभभाई पटेल, राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. अंसारी, सी. राजगोपालाचारी आदि।

103. उत्तर (1)

व्याख्या-

- अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस का द्वितीय सम्मेलन स्टुटगार्ड (जर्मनी) में हुआ। जिसमें मैडम भीखाजी कामा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

104. उत्तर (1)

व्याख्या-

- 23 दिसम्बर 1912 को दिल्ली के चांदनी चौक में वायसराय हॉर्डिंग पर बम फेंका जिसमें अभियुक्तों पर दिल्ली षड्यंत्र केस चलाकर अमीरचन्द्र अवधबिहारी, बालमुकुन्द और बसन्त कुमार को फाँसी की सजा दी गई तथा रासबिहारी बोस भागने में सफल रहे।

105. उत्तर (2)

व्याख्या-

- फरवरी, 1932 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में **बीनादास** ने गवर्नर पर गोली चला दी थी।

106. उत्तर (3)

व्याख्या-

- चम्पारन सत्याग्रह- 1917 ई.
- अहमदाबाद मिल मजदूर आन्दोलन- फरवरी 1918 ई.
- खेड़ा किसान आन्दोलन- मार्च 1918 ई.

107. उत्तर (1)

व्याख्या-

- कांग्रेस का 1916 में लखनऊ अधिवेशन अंबिका चरण मजूमदार के नेतृत्व में हुआ। इस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक तथा मोहम्मद अली जिन्ना के प्रयासों से कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के मध्य लखनऊ समझौता हुआ। जिसमें 1909 के अधिवेशन के तहत की गई साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को कांग्रेस द्वारा स्वीकार किया गया।

108. उत्तर (4)

व्याख्या-

- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में 1917 में सेडिशन (राजद्रोह) कमेटी का गठन किया गया जिसे रॉलेट कमेटी के नाम से जाना जाता है।
- भारतीयों ने इसे काला कानून की संज्ञा दी थी।
- रॉलेट एक्ट के विरोध में गांधीजी ने 6 अप्रैल, 1919 को रॉलेट सत्याग्रह चलाया जो अखिल भारतीय स्तर पर गांधीजी द्वारा चलाया गया प्रथम सत्याग्रह था।
- रॉलेट एक्ट तथा डॉ. सत्यपाल एवं सैफुद्दीन किचलु की गिरफ्तारी के विरोध में जलियावाला बाग में हो रही सभा पर 13 अप्रैल, 1919 में जनरल डायर द्वारा गोलियां चलाई गई। जिसे 'जलियावाला बाग' हत्याकांड कहा जाता है।

109. उत्तर (2)

व्याख्या-

- 1919 में खिलाफत आन्दोलन भारतीय मुसलमानों द्वारा तुर्की के खलीफा के सम्मान में चलाया गया था। तुर्की का खलीफा मुस्लिम जगत का धार्मिक रूप से प्रमुख था।
- इस आन्दोलन का नेतृत्व अली बन्दुओं (मौलाना शौकत अली, मौलाना मुहम्मद अली) ने किया।

110. उत्तर (3)

व्याख्या-

- 1925 ई. में कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की अध्यक्षता सरोजनी नायडू ने की थी। जो कि कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाली प्रथम भारतीय महिला थी।

111. उत्तर (2)

व्याख्या-

- साइमन कमीशन का विरोध करने पर भारत सचिव बर्केन हेड की चुनौती को स्वीकार करते हुए भारतीय दलों ने मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में 1928 में एक 10 सदस्य समिति का गठन किया गया, जिसे नेहरू समिति कहा जाता है।
- इस समिति में जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, एन.एम. जोशी, तेज बहादुर सप्रू, सर अली इमाम, सरदार मंगल सिंह, एन.एस. अणे, आर. प्रधान एवं शोएब कुरैशी सदस्य थे।
- इस समिति ने अपनी रिपोर्ट (नेहरू रिपोर्ट) 10 अगस्त 1928 को प्रस्तुत कि जिसमें साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त करने तथा भारत को डोमिनियन स्टेटस का दर्जा देने आदि की मांग की।

112. उत्तर (2)

व्याख्या-

- अगस्त प्रस्ताव- अगस्त, 1940
- व्यक्तिगत सत्याग्रह- अक्टूबर, 1940
- क्रिप्स मिशन- मार्च, 1942
- राजगोपालाचारी योजना- 1944

113. उत्तर (4)

व्याख्या-

- आजाद हिंद बचाव समिति का गठन 1945 में कांग्रेस द्वारा, आजाद हिंद फौज के अधिकारियों को लाल किले के मुकदमें में उनकी पैरवी करने के लिए किया गया। इस समिति में भूलाभाई देसाई के नेतृत्व में आशिफ अली, जवाहरलाल नेहरू, तेज बहादुर सप्रू आदि वकील शामिल थे।

114. उत्तर (3)

व्याख्या-

- कमलादेवी चट्टोपाध्याय के कहने पर गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन में महिलाओं को शामिल किया।
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया, इस सम्मेलन में महात्मा गांधी और भीमराव अम्बेडकर के मध्य वैचारिक मतभेद हुए।
- गांधीजी की पहली महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपस्थिति 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई।

कलाम ACADEMY

- 1946 में नौआखली में हुई साम्प्रदायिक हिंसाओं के विरुद्ध महात्मा गांधी ने सत्याग्रह किया था।

115. उत्तर (2)

व्याख्या-

- रास बिहारी बोस के नेतृत्व में 21 फरवरी 1915 को सशस्त्र विद्रोह की योजना बनायी जिसकी भनक समयपूर्व ब्रिटिश सरकार को लग गई।
- अंग्रेज सरकार ने गदर दल के नेताओं पर मुकदमा चलाकर करतार सिंह सरावा, विष्णु पिंगले आदि को मृत्यु दंड दिया।

116. उत्तर (4)

व्याख्या-

- सुभाषचंद्र बोस ने 1938 में जे.एल. नेहरू की अध्यक्षता में राष्ट्रीय योजना समिति का गठन किया था।
- सुभाषचंद्र बोस ने मई 1939 में फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।
- सुभाषचंद्र बोस ने सर्वप्रथम जयहिंद का नारा दिया था।
- 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर के कैथहाल में सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थायी भारतीय सरकार की स्थापना की जिसको जापान, जर्मनी, इटली, बर्मा, चीन, थाइलैंड, फिलीपींस, मंचूरिया आदि देशों ने मान्यता प्रदान की।

117. उत्तर (3)

व्याख्या-

- सितम्बर 1928 को दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में चन्द्रशेखर आजाद की अध्यक्षता में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की जिसमें भगत सिंह, जतिन दास, अजय घोष, राजगुरु, सुखदेव आदि शामिल थे।
- HSRA के सदस्यों (चन्द्रशेखर, यशपाल, भगवतीचरण) ने वायसराय इर्विन को कोल्हापुर से दिल्ली ट्रेन यात्रा के दौरान उड़ाने की योजना बनाई तथा 23 दिसम्बर 1929 के दिन इस योजना को अंजाम दिया गया।

118. उत्तर (4)

व्याख्या-

- असहयोग आन्दोलन के दौरान गांधीजी ने एक वर्ष में स्वराज दिलाने की बात कही थी।
- असहयोग आन्दोलन के दौरान आसाम बागान मजदूरों ने गांधी महाराज की जय के नारे लगाते हुए बागान मालिकों से वेतन वृद्धि की मांग की।

119. उत्तर (1)

व्याख्या-

- भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरूआत अगस्त 1942 में हुई। उड़ीसा के आदिवासी क्षेत्रों में भारत छोड़ो आन्दोलन का नेतृत्व वीर लखन नायक ने किया था।

120. उत्तर (2)

व्याख्या-

- महात्मा गांधी ने दलित सुधार के लिए 1932 में अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग की स्थापना की, जिसका प्रथम अध्यक्ष घनश्यामदास बिड़ला को बनाया गया।

121. उत्तर (1)

व्याख्या-

- वेवेल योजना पर विचार करने के लिये भारतीय राजनैतिक दलों का एक सम्मेलन शिमला में बुलाया गया जो 24 जून 1945 से 14 जुलाई 1945 तक चला।
- इस सम्मेलन में भारतीय राजनैतिक दलों के 21 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
- मौलाना अबुल कलाम आजाद ने इस सम्मेलन को महान जल विभाजक की संज्ञा दी।

कलाम ACADEMY

122. उत्तर (1)

व्याख्या-

- 1919 भारत शासन अधिनियम के तहत सिखों, ईसाइयों, यूरोपीयों, आंग्ल-भारतीयों को पृथक निर्वाचन प्रतिनिधित्व का अधिकार दिया गया।
- 1909 के अधिनियम के द्वारा मुस्लिमों को पृथक निर्वाचन का अधिकार दिया गया।
- 1932 के साम्प्रदायिक पंचाट द्वारा ब्रिटिश सरकार ने दलितों (हरिजन) को पृथक निर्वाचन का अधिकार दिया।
- 26 सितम्बर, 1932 के पूना पेक्ट के द्वारा कांग्रेस ने दलितों (हरिजन) के लिए प्रान्तीय विधानमंडलों में 148 सीटों पर आरक्षण तथा केन्द्रीय विधानमंडल में 18 प्रतिशत सीटें आरक्षित की।

123. उत्तर (1)

व्याख्या-

- सुभाषचंद्र बोस को पहली बार कांग्रेसी कार्यकारिणी में सितम्बर 1929 में नियुक्त किया गया था।

124. उत्तर (4)

व्याख्या-

- द्वितीय लाहौर षडयंत्र केस का आधिकारिक नाम क्राउन वर्सेज सुखदेव था।
- भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु को 23 मार्च 1931 को द्वितीय लाहौर षड्यंत्र केस के संदर्भ में फाँसी की सजा हुई थी।

125. उत्तर (3)

व्याख्या-

- 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर नरमदल और गरमदल में मतभेद उत्पन्न हो गए थे। गरमदल लाला लाजपत राय को अध्यक्ष बनाना चाहते थे, लेकिन नरमदल ने रासबिहारी घोष को अध्यक्ष बनवा दिया।

126. उत्तर (1)

व्याख्या-

पिट्सबर्ग - यंगसटाउन - क्लीवलैण्ड औद्योगिक प्रदेश-

- यह पूर्वी USA से लेकर ईरी झील तक स्थित है।
- इस प्रदेश में लौह इस्पात उद्योग का विकास हुआ है।
- **पिट्सबर्ग** पूरे विश्व में लम्बे समय तक लौह इस्पात उद्योग के सबसे बड़े केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध रहा है। परन्तु वर्तमान में इसका महत्व कम हो गया है। अत: इसे **'जंग के कटोरे'** के नाम से जाना जाता है।

127. उत्तर (4)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख पोत निर्माण औद्योगिक केन्द्र-

- लेनिनग्राद/सेंट पिट्सबर्ग (रूस)
- याकोहामा (जापान)
- ग्लासगो (स्कॉटलैंड)
- बेलफास्ट (यूके)
- ब्रिस्टल (यूके) - जलयान व वायुयान निर्माण केन्द्र

नोट- जोहांसबर्ग (द. अफ्रीका) सोने से संबंधित निर्माण उद्योग का केन्द्र है।

128. उत्तर (3)

व्याख्या-

- लॉरेंस सार औद्योगिक प्रदेश - लौह इस्पात उद्योग का केन्द्र जो की फ्रांस तथा जर्मनी में स्थित है।

129. उत्तर (2)

व्याख्या-

- चीन स्थित केण्टन औद्योगिक प्रदेश जलयान निर्माण, मिशीनी उपकरण निर्माण का प्रमुख केन्द्र है।
- यह औद्योगिक प्रदेश चीन के दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित है, जहाँ इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों का विकास भी हुआ है।

130. उत्तर (1)

व्याख्या-

जापान स्थित प्रमुख औद्योगिक प्रदेश-

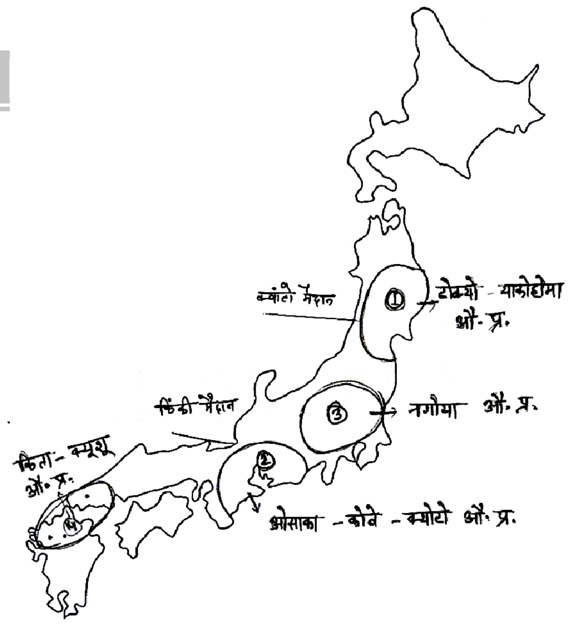

131. उत्तर (2)

व्याख्या-

- कनाडा के ऑन्टेरियो तथा सेंट लॉरेस औद्योगिक प्रदेश लौह इस्पात उद्योग का केन्द्र है। यहाँ स्थित विंडसर जिसे कनाडा का डेट्रॉइट कहा जाता है।

132. उत्तर (2)

व्याख्या-

USA स्थित पश्चिमी तटीय औद्योगिक प्रदेश-

- यहाँ विभिन्न उद्योगों के निम्न केन्द्र हैं-

(i) लॉस-एंजिल्स- हॉलीवुड फिल्म उद्योग हेतु।

(ii) सेन फ्रांसिस्को- कम्प्यूट सॉफ्टवेयर उद्येग हेतु

नोट: कैलिफोर्निया- इस क्षेत्र को **सिलिकॉन वैली** के नाम से जाना जाता है।

(iii) सिएटल- वायुयान उद्योग हेतु।

133. उत्तर (4)

व्याख्या-

USA स्थित शिकागो-गैरी औद्योगिक प्रदेश-

- यह मिशिगन झील के तटीय भागों में स्थित है।
- यहाँ शिकागो, गैरी व मिलवाउकी लौहा इस्पात उद्योग के प्रमुख केन्द्र हैं।
- वर्तमान में पिट्सबर्ग की तुलना में शिकागो गैरी से इस्पात का अधिक उत्पादन होने लगा है।
- शिकागो विश्व की सबसे बड़ी माँस मंडी भी है।

नोट: USA के खाड़ी तटीय औद्योगिक प्रदेश स्थित **डल्लास सूती वस्त उद्योग** का प्रमुख केन्द्र है।

134. उत्तर (1)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश -

- **पो घाटी तथा लोम्बार्डी प्रदेश - इटली**
- पिरेनीज तथा फ्लेण्डर्स प्रदेश - फ्रांस
- कम्बरलैण्ड तथा नार्थम्बरलैण्ड - ब्रिटेन
- कैहिन तथा किंकी प्रदेश - जापान

135. उत्तर (3)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश -

- लिवरपुल (ब्रिटेन) - सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्र
- ब्रिस्टल (यूके) - जलयान उद्योग का केन्द्र
- **मांट्रियल (कनाडा) -अखबारी कागज उद्योग** का केन्द्र
- अलबेनी (यूएसए) - कागज उद्योग का केन्द्र

136. उत्तर (4)

व्याख्या-

पेरिस औद्योगिक प्रदेश- फ्रांस

- यह फ्रांस के उत्तरी-पश्चिमी भागों में स्थित है, तथा यह विश्व के फैशन उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र है।

137. उत्तर (1)

व्याख्या-

चीन स्थित प्रमुख औद्योगिक प्रदेश -

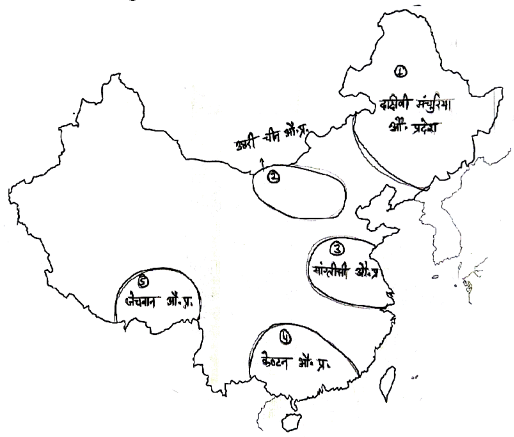

138. उत्तर (2)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-

- वेनिस (इटली) - काँच निर्माण उद्योग केन्द्र
- सेलम/सलेम (भारत) - लौह इस्पात उद्योग केन्द्र
- हैमिल्टन (कनाडा) - लौह इस्पात उद्योग केन्द्र
- मिलान (इटली का मैनचेस्टर) - सिल्क/रेशमी वस्त्र उद्योग केन्द्र

139. उत्तर (3)

व्याख्या-

जापान स्थित प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-

1. किता-क्युशू औद्योगिक प्रदेश -

- इसके अन्तर्गत क्युशू द्वीप का उत्तरी भाग तथा होंशू द्वीप का दक्षिणी-पश्चिमी भाग आता है।
- इस प्रदेश में लौह-इस्पात उद्योग तथा जलयान उद्योग का सर्वाधिक विकास हुआ है। जिसके प्रमुख केन्द्र निम्न हैं-

♦ तोबाता ♦ कीता

- ♦ नागासाकी ♦ यवाता (जापान का पिट्सबर्ग)
- **अन्य औद्योगिक नगर**- इशिकारी, मुरारॉन।

2. टोक्यो-याकोहोम औद्योगिक प्रदेश-
- यहाँ अनेक प्रकार के मशीनी उपकरण, मोटरगाड़ी व इस्पात तथा जलपोत का निर्माण किया जाता है।

3. ओसाका-कोबे-क्योटो प्रदेश-
- यहाँ सूती वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक विकास हुआ है, जिसके प्रमुख केन्द्र यह तीनों नगर ओसाका, कोबे व क्योटो हैं।
- ओसाका को जापान का मैनचेस्टर भी कहा जाता है।

4. नगोया औद्योगिक प्रदेश-
- यहाँ मुख्य औद्योगिक नगर नगोया है जिसमें ऊनी वस्त्र तथा मोटर गाड़ी उद्योग का विकास हुआ है।
- मोटरगाड़ी उद्योग के कारण नगोया को जापान का डेट्रायट भी कहा जाता है।

140. उत्तर (1)

व्याख्या-

जापान स्थित प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-

(1) टोक्यो-याकोहोम औद्योगिक प्रदेश-यह होंशु द्वीप पर क्वांटो मैदान में स्थित है।

(2) ओसाका-कोबे-क्योटो प्रदेश- यह होंशू द्वीप पर ही किंकी मैदान में स्थित है।

(3) नगोया औद्योगिक प्रदेश- यह होन्शू द्वीप पर क्वांटो तथा किंकी मैदानों के बीच स्थित है।

(4) किता-क्युशू औद्योगिक प्रदेश- इसके अन्तर्गत क्युशू द्वीप का उत्तरी भाग तथा होंशू द्वीप का दक्षिणी-पश्चिमी भाग आता है।

141. उत्तर (3)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-
- जापान का मैनचेस्टर - ओसाका
- रूस का मैनचेस्टर - इवानोवा
- चीन का मैनचेस्टर - शंघाई
- इटली का मैनचेस्टर - मिलान

142. उत्तर (3)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र तथा संबंधित उद्योग-
- सेन फ्रांसिस्को (USA) – कम्प्यूटर संबंधित उद्योग
- बर्मिंघम (U.K) – लौह इस्पात उद्योग
- सिएटल (USA) – वायुयान उद्योग
- नगोया (जापान) – मोटर कार उद्योग

143. उत्तर (3)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख लौह इस्पात औद्योगिक केन्द्र-
- किता-क्यूशू औद्योगिक केन्द्र - जापान
- लॉरेन औद्योगिक केन्द्र - कनाडा
- पिट्सबर्ग औद्योगिक केन्द्र - USA

नोट: USA स्थित डेट्राइट औद्योगिक केन्द्र मोटरकार उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।

144. उत्तर (1)

व्याख्या-
- ब्रिटेन स्थित मिडलैण्ड (ब्लैक कंट्री) औद्योगिक प्रदेश इस्पात उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।

145. उत्तर (3)

व्याख्या-

रूर औद्योगिक प्रदेश- जर्मनी, यह राइन की सहायक रुर नदी के बेसिन में स्थित है, यहाँ लौह इस्पात उद्योग व मोटरगाड़ी उद्योग का विकास हुआ है। जिसके मुख्य केन्द्र निम्न है- एसेन, बोखम, डार्टमुण्ड तथा डूसेलडॉर्फ।

146. उत्तर (1)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा उनकी अवस्थिति-
- केण्टन प्रदेश (चीन) - मशीनी उपकरण एवं जलयान निर्माण उद्योग केन्द्र
- पिट्सबर्ग (USA) - लौह इस्पात उद्योग केन्द्र जो विश्व जंग का कटोरा के रूप में प्रसिद्ध स्थल है।
- नागोया प्रदेश (जापान) - ऊनी वस्त्र एवं मोटरगाड़ी उद्योग का केन्द्र
- रोन साओन घाटी (फ्रांस) - सिल्क/रेशमी वस्त्र उद्योग का केन्द्र

कलाम ACADEMY

147. उत्तर (4)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र, प्रमुख नगर तथा उनसे संबंधित उद्योग-

- इटली के पोघाटी औद्योगिक प्रदेश स्थित तूरीन ऑटोमोबाइल उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
- फ्रांस के पिरेनीज औद्योगिक प्रदेश स्थित टोलूज वायुयान उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
- ब्रिटेन के यार्क शायर औद्योगिक प्रदेश स्थित शेफील्ड छूरी, कैंची व कांटा उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
- ब्रिटेन स्थित **लंकाशायर औद्योगिक प्रदेश** स्थित मैनचेस्टर तथा लीवरपुल **सूती वस्त्र उद्योग** का प्रमुख केन्द्र है।

148. उत्तर (1)

व्याख्या-

संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-

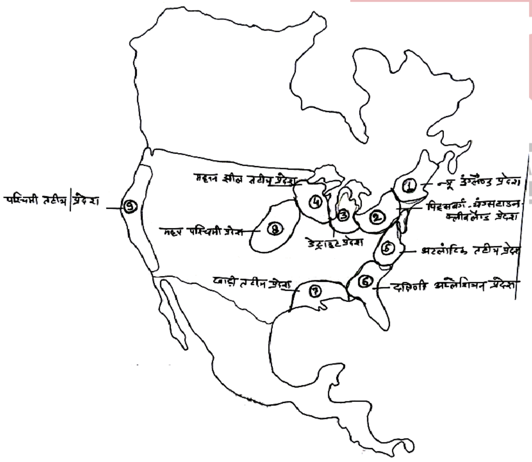

149. उत्तर (3)

व्याख्या-

विश्व के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र-

- पिट्सबर्ग (USA) - लौह एवं इस्पात उद्योग
- डेट्रायट (USA) - मोटर गाड़ी उद्योग
- हैम्बर्ग (जर्मनी) -जलयान निर्माण उद्योग
- ओसाका (जापान) - वस्त्र उद्योग

150. उत्तर (4)

व्याख्या-

ब्रिटेन के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश-

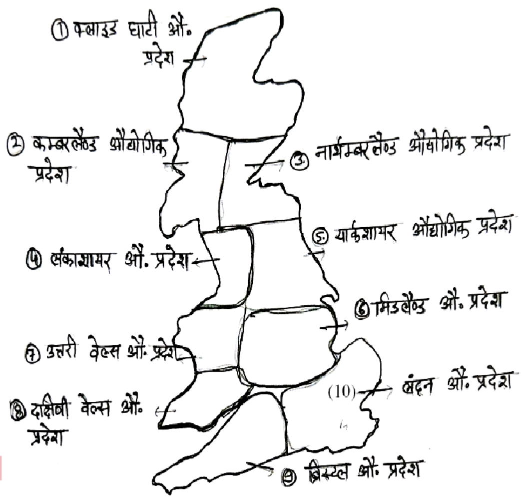

नोट: शिकागो गैरी औद्योगिक प्रदेश अर्थात् मिशिगन झील प्रदेश USA में स्थित है।